>

Title: Need to give adequate compensation to farmers whose land is to acquired for development projects.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): माननीय सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। आज पूरे देश में विकास के नाम पर किसानों की भूमि अधिगृहीत की जा रही है किन्तु उनको न तो उचित मुआवज़ा दिया जा रहा है, और अधिगृहीत भूमि पर विकास के नाम पर बनने वाली किसी इंडस्ट्री - रेल, सड़क, वाहन, ऐसे किसी भी विभाग में उनके परिवार के किसी सदस्य को समुचित नौकरी भी नहीं दी जा रही है। मेरे संसदीय क्षेत्र में अकबरपुर कानपुर देहात में एक रेल मालगाड़ी के लिए नई रेल लाईन स्थापित की जा रही है, जिससे हज़ारों किसान प्रभावित हो रहे हैं। किसी की Â¼, किसी की 1/3 तो किसी की पूर्ण ज़मीन उस रेल लाईन में प्रभावित हो रही है। मुआवज़े के नाम पर चंद रुपये दिये जा रहे हैं। मेरा मानना है कि जो मुआवजा दिया जा रहा है, अधिगृहीत समय से पचास वर्ष बाद का आकलन करके मुआवज़ा दिया जाना चाहिए, तथा प्रभावित परिवार और उसके आश्रित व्यक्ति को रायबरेली कोच फैक्ट्री से प्रभावित किसानों की तरह उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जानी चाहिए। मैंने माननीय रेल मंत्री जी को, माननीय आदरणीय चेयरपरसन यूपीए सोनिया जी को भी पत्र लिखकर इस विषय से अवगत कराने का काम किया है। मेरे क्षेत्र के किसान आंदोलनरत हैं, धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। अतः आपके माध्यम से मैं माननीय रेल मंत्री से मांग करता हूँ कि वे रेल कोच फैक्ट्री रायबरेली की तर्ज पर हमारे किसानों को मुआवज़ा देने का काम करें।